सीएमपीडीआई में गणतंत्र दिवस आचरण

रांची 27 जनवरी, 2015: नयी सरकार के टॉप एजेंडे में निर्बाध बिजली सप्लाई एवं मेक इन इंडिय सम्मलित किय गय है। चैबीस घंटे एवं स तों दिन निर्ब ध बिजली देश को मिले इसमें कोल इंडिय की भूमिक बहुत ही महत्वपूर्ण है। कोयल मंत्र लय द्व र किए ज रहे ई- अंक्शन के कार्य को सफलत पूर्वक पूर करने में सीएमपीडीआई अथक परिश्रम कर रह है। आज सीएमपीडीआई की कोयला मंत्रालय, ऊर्जा मंत्रालय तथा पर्यावरण मंत्रालय में सीएमपीडीआई की कॉरपोरेट इमेज बहुत अच्छी बनी है। इससे सीएमपीडीआई एवं कोल इंडिय गौरव न्वित महसूस कर रह है। 26 जनवरी 2015 को गणतंत्र दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण के पश्च त् अपने अभिभ षण में उक्त ब तें सीएमपीडीआई के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री ए0के0 देबनाथ ने कही।

इस अवसर पर उन्होंने कह कि सीएमपीडीआई के सभी विभाग को तकनीकी रूप से उन्नत करने क कार्य किया जा रह है। इक्कीस विभाग में नय सर्वर लगाने का कार्य किया जाएग ताकि भविष्य की जरूरतों को पूर किय ज सके। नय सर्वर लगने से देश के प्र इवेट ब्लॉक्स के बारे में पूरी ज नक री उपलब्ध होगी। 2 डी सिस्समिक सर्वे तथ 3 डी सिस्समिक सर्वे क म करने के ब रे में मंत्र लय स्तर पर ब तचीत चल रही है। सीएमपीडीआई प्रबंधन ने यह निर्णय लिय है कि सभी पुर ने ड्रिल मशीनों के स्थ न पर नरये ड्रिल लगाए जाएंगे। नये ड्रिल मशीन की खरीद भी हुई है कुछ और ड्रिल मशीन खरीद की प्रक्रिय चल रही है। च लू वित वर्ष में विभ गीय (एमओयू) ड्रिलिंग क लक्ष्य 3.50 ल ख मीटर है जिसकी तुलन में दिसम्बर, 14 तक 2.41 ल ख मीटर ड्रिलिंग हो चुकी है एवं आश है कि इस लक्ष्य को पूर्ण करने में सफल होंगे। भविष्य की गवेषण लक्ष्य की प्र प्ति हेतु 320 कर्मच रियों की नियुक्ति हो चुकी है। जियालजी एवं सिस्टम विभ ग की जरूरत को ध्य न में रखते कुछ अधिक रियों की नियुक्ति की ज नी है। मह नदी कोलफील्ड्स के बसुंधर एवं गरजनबहल क्षेत्र में मुआवज प्र प्त करने के उद्देश्य से बन ए गए इलीगल ह उस के डिम र्केशन के लिए सीएमपीडीआई के जियोमेटिक्स विभ ग द्व र बहुत अच्छे तरीके से क र्य सम्पन्न किय गय है। इससे प्रभ वित होकर कोल इंडिय की अन्य अनुषंगी इक इयों द्व र भी इस तरह के क र्य सीएमपीडीआई

को सौंप गय है। इसके अलाव सीएमपीडीआई द्वारा कंट्रोल ब्ल स्टिंग क क र्य भी पूरे कोयल उद्योग में किया जा रह है।

सीएमपीडीआई द्वारा प्रोजेक्ट कॉस्टिंग के लिए एक स्टैंर्डडाइज्ड परफर्मा तैयार किया गय जिसके आधार पर क र्य करने से बहुत स रे अन-व इबुल प्र जेक्ट व इबुल प्र जेक्ट हो ज एंगे। इसकी स्वीकृति कोल इंडिय के बोर्ड द्वारा भी दे दी गई है। वर्तमान में ईएंडएम एवं पर्यावरण के क्षेत्र में स्डैंडर्ड परफर्मा तैयार कर लिय गय तथा सीएचपी के प्रोजेक्ट स्डैंर्डडाइजेशन क कार्य चल रह है।

इस अवसर पर सीएमपीडीआई के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री ए0के0 देबनाथ ने श्री बी0के0 शुक्ल को 31 वर्ष के समर्पित सेव के लिए, श्री राम चन्द्र महतो को डिसिप्लीन एवं कंडक्ट परेड के लिए एवं श्री संजीव कुम र को समर्पित सेव एवं सजग प्रहरी के लिए सम्म नित किय ।

***